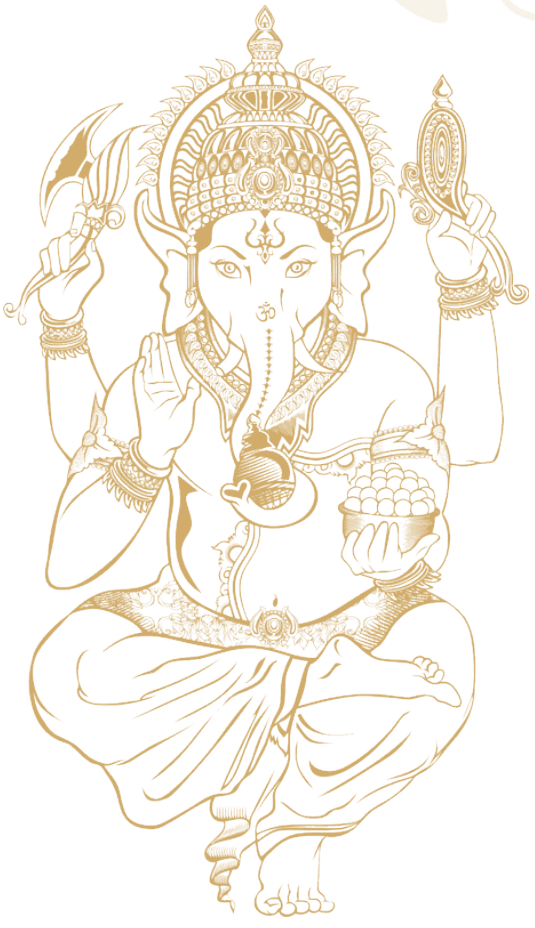

Mr.rohan kumar

25 Sep 1997

09:15 PM

Bhagalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121784006

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/09/1997**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:15:00 घंटे**
इष्ट	39:17:56 घटी
स्थान	**Bhagalpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:14:00 उत्तर
रेखांश	86:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:17:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:32:56 घंटे
वेलान्तर	00:08:15 घंटे
साम्पातिक काल	21:50:56 घंटे
सूर्योदय	05:31:49 घंटे
सूर्यास्त	17:35:21 घंटे
दिनमान	12:03:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	08:46:49 कन्या
लग्न के अंश	16:29:48 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	परिघ
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	16:29:48	365:31:20	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	---
सूर्य			कन्या	08:46:49	00:58:49	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	सम राशि
चंद्र			कर्क	02:53:52	12:13:02	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	स्वराशि
मंगल			वृश्चि	03:53:53	00:41:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध			सिंह	24:35:16	01:41:04	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मक	18:31:44	00:02:28	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			तुला	21:49:01	01:08:35	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि	व		मीन	24:12:34	00:04:28	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु			सिंह	25:52:37	00:01:07	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	25:52:37	00:01:07	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:03:28	00:00:55	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:24:20	00:00:26	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:31:00	00:01:23	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	01:38:08	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:28

लग्न-चलित

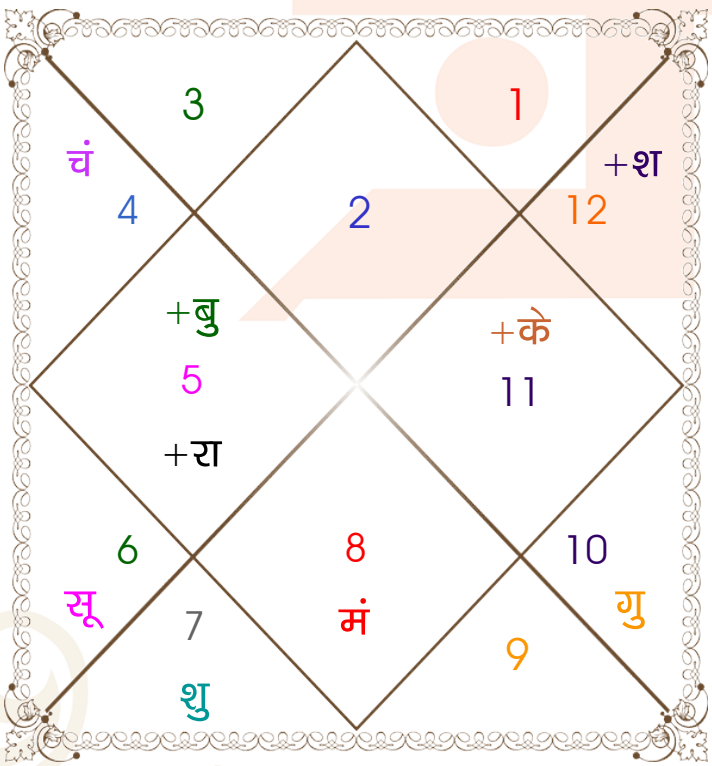

चन्द्र कुंडली

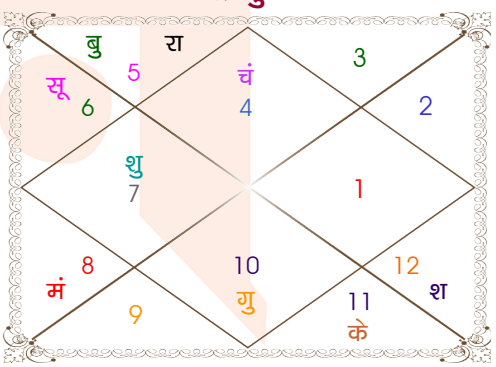

नवमांश कुंडली

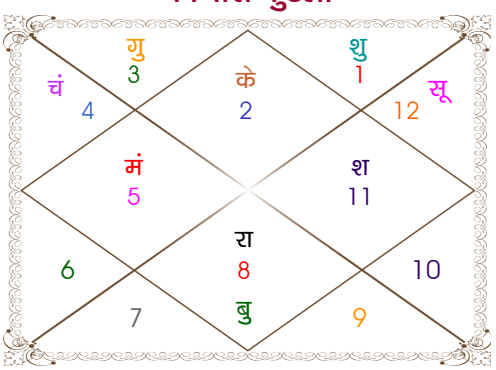

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 6 मास 8 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/09/1997		04/04/1998		04/04/2017		04/04/2034		04/04/2041	
04/04/1998		04/04/2017		04/04/2034		04/04/2041		04/04/2061	
	00/00/0000	शनि	07/04/2001	बुध	01/09/2019	केतु	31/08/2034	शुक्र	03/08/2044
	00/00/0000	बुध	16/12/2003	केतु	28/08/2020	शुक्र	01/11/2035	सूर्य	04/08/2045
	00/00/0000	केतु	24/01/2005	शुक्र	29/06/2023	सूर्य	07/03/2036	चंद्र	04/04/2047
	00/00/0000	शुक्र	26/03/2008	सूर्य	04/05/2024	चंद्र	06/10/2036	मंगल	04/06/2048
	00/00/0000	सूर्य	08/03/2009	चंद्र	04/10/2025	मंगल	05/03/2037	राहु	04/06/2051
	00/00/0000	चंद्र	07/10/2010	मंगल	01/10/2026	राहु	23/03/2038	गुरु	02/02/2054
	00/00/0000	मंगल	16/11/2011	राहु	19/04/2029	गुरु	27/02/2039	शनि	04/04/2057
	25/09/1997	राहु	22/09/2014	गुरु	26/07/2031	शनि	07/04/2040	बुध	03/02/2060
राहु	04/04/1998	गुरु	04/04/2017	शनि	04/04/2034	बुध	04/04/2041	केतु	04/04/2061

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/04/2061		04/04/2067		04/04/2077		04/04/2084		05/04/2102	
04/04/2067		04/04/2077		04/04/2084		05/04/2102		26/09/2117	
सूर्य	23/07/2061	चंद्र	03/02/2068	मंगल	31/08/2077	राहु	16/12/2086	गुरु	23/05/2104
चंद्र	21/01/2062	मंगल	03/09/2068	राहु	19/09/2078	गुरु	11/05/2089	शनि	05/12/2106
मंगल	29/05/2062	राहु	05/03/2070	गुरु	26/08/2079	शनि	16/03/2092	बुध	12/03/2109
राहु	23/04/2063	गुरु	05/07/2071	शनि	03/10/2080	बुध	04/10/2094	केतु	16/02/2110
गुरु	09/02/2064	शनि	02/02/2073	बुध	01/10/2081	केतु	22/10/2095	शुक्र	17/10/2112
शनि	21/01/2065	बुध	05/07/2074	केतु	27/02/2082	शुक्र	22/10/2098	सूर्य	05/08/2113
बुध	27/11/2065	केतु	03/02/2075	शुक्र	29/04/2083	सूर्य	16/09/2099	चंद्र	05/12/2114
केतु	04/04/2066	शुक्र	03/10/2076	सूर्य	04/09/2083	चंद्र	18/03/2101	मंगल	11/11/2115
शुक्र	04/04/2067	सूर्य	04/04/2077	चंद्र	04/04/2084	मंगल	05/04/2102	राहु	26/09/2117

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 6 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ठ धघ्नादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगे या जी चुरायेंगे तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ठ धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहते हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नही लेते हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करते हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेते उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखते हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाते हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त लेते हैं।

क्योंकि आप यह जानते हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम करना पड़ता हैं तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाते हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना के व्यक्ति नही हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहते हैं।

स्वभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाले प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाले तथा पीछे मुडकर नहीं देखते हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नही चाहते यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरूचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझते हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय के प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्त्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नही लगती है। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों के सहायक होंगे।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकते हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगे। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगे। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहते हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं। अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।